

राम ॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

॥ राम नाम लो, भाग जगाओ ॥

राम

राम

२४०

॥ पदराग धनु प्रभाति ॥

राम

राम

म्हारा सतगुरू परम सनेही हो

राम

राम

म्हारा सतगुरू परम सनेही हो ॥ राम मिल्या इण देही हो ॥टेर॥

राम

राम

Satguru my ultimate well-wisher

राम

Satguru is my dearest one, he is my well-wisher. By his grace, I have found Ramji within me.

राम

जीवत मोख मिलाया हो ॥ करम खोद सब बहाया हो ॥१॥

राम

राम

My Satguru has granted me the salvation while I am still alive. My Satguru has dug up and drowned all my karmas in water of ocean of existence (Bhavsagar).

राम

राम

रूप न चूप न काया हो ॥ वो मुज देस बताया हो ॥२॥

राम

राम

Satguru showed me about a true place where there is no form or body of five elements as here, and no subject-pleasure.

राम

राम

राम

भीत दिवाल न पाया हो ॥ असे अधर घर आया हो ॥३॥

राम

राम

The Satguru took me to a place where the houses do not have walls made of mud and stone and where the houses made on the basis of true science are in existence & without any support.

राम

राम

राम

चंद न सूर न देवा हो ॥ वाँ घर का सुख लेवा हो ॥४॥

राम

राम

The Satguru has took me to a place where there is no moonlight or sunlight as in this place, but only divine light. I am enjoying immense happiness there.

राम

राम

ब्रम्हा बिसन कुवावे हो ॥ ऊण घर कूं नित ध्यावे हो ॥५॥

राम

राम

by the grace of the Satguru I have found the house, that Brahma, Vishnu, and Mahadev always hope to find.

राम

राम

राम

कह सुखराम सुणाई हो ॥ हम मिल्या आद घर जाई हो ॥६॥

राम

राम

Satguru Sukhramji Maharaj says that, I have reached the eternal home of the ultimate happiness by the mercy of Satguru.

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम

राम